अनुक्रमाणिका

1. **प्रथम अध्याय : समस्या एवं उसकी सार्थकता** पृष्ठ सं0

1.1	:	प्रस्तावाना	1
1.2	:	वंचन	4
1.3	:	वंचन के क्षेत्र	5
1.4	:	वंचन के कारण	6
1.5	:	वंचन के परिणाम	6
1.6	:	व्यक्तित्व का प्रत्यय	7
1.7	:	व्यक्तित्व का प्रतिमान	7–8
1.8	:	वंचन द्वारा उत्पन्न व्यक्त्वि परक समस्यायें	8–9
1.9	:	अध्ययन का कथन	10–11
1.10	:	समस्या का कथन	11
1.11	:	शोध के उद्देश्य	11
1.12	:	परिकल्पनाएँ	12
1.13	:	शोध की सीमाएँ	12

2. **द्वितीय अध्याय : सम्बंधित शोध साहित्य की समीक्षा**

2.1	:	प्रस्तावना	13
2.2	:	साहित्य की समीक्षा का अर्थ	13–14
2.3	:	शोध साहित्य की परिभाषाएं	14
2.4	:	साहित्य समीक्षा की आवश्यकता	14
2.5	:	साहित्य समीक्षा के उद्देश्य	15
2.6	:	साहित्य समीक्षा के लाभ	15–16
2.7	:	साहित्य समीक्षा के साधन	16
2.8	:	वर्तमान शोध से सम्बंधित साहित्य समीक्षा	16–1

3. **तृतीय अध्याय : शोध की प्रक्रिया**

3.1	:	प्रस्तावना	20
3.2	:	शोध की विधि	20
3.3	:	न्यादर्श का चयन	20–21
3.4	:	शोध में प्रयुक्त चर	22
3.5	:	शोध में प्रयुक्त उपकरण	22–25
3.6	:	कार्य प्रणाली	25–26
3.7	:	सांख्यिकी उपचार	26

4. **चतुर्थ अध्याय : प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निर्वचन**

4.1	:	प्रस्तावना	27
4.2	:	प्रदत्तों का सारणीयन एवं विश्लेषण	
		सारिणी 1 : आंकड़ों का प्रदर्शन एवं निर्वचन	28–30
		सारिणी 2 : आंकड़ों का प्रदर्शन एवं निर्वचन	31–33
		सारिणी 3 : आंकड़ों का प्रदर्शन एवं निर्वचन	34–36
		सारिणी 4 : आंकड़ों का प्रदर्शन एवं निर्वचन	37–40

5. पंचम अध्याय : शोध निष्कर्ष, शैक्षिक उपादेयता एवं भावी शोध हेतु सुझाव

5.1	:	प्रस्तावना	41
5.2	:	निकाले गये निष्कर्ष	42
5.3	:	शोध के शैक्षिक निहितार्थ	42
5.2	:	भावी शोध, एवं सुझाव	43

6. **षष्ठम् अध्याय : शोध सारांश** 44–51

7. **संदर्भ ग्रन्थ सूची** 52–53

8. **परिशिष्ट**